Maharaja Surajmal Brij University

Bharatpur (Rajasthan)

Syllabus for Political Science

(Under Graduate Programme)

Semesters V & VI

Academic Session 2025-26

POL-10T-501-पश्चिमी राजनीतिक विचारक

V सेमेस्टर- राजनीति विज्ञान

3 घंण्टे अवधि .

30+120 अंक

ईकाई-।

(25 व्याख्यान)

प्लेटो, अरस्तू

ईकाई-II

हॉब्स, लॉक व रूसो।

(25 व्याख्यान)

ईकाई-III

बेन्थम, जे. एस मिल,

(20 व्याख्यान)

ईकाई-IV

कार्ल मार्क्स, निकोलो मैकियावली ।

(20 व्याख्यान)

अनुशसित पुस्तके :-

1.जॉर्ज एच. सेबाइन: ए हिस्ट्री ऑफ पोलिटिकल थ्योरी (हिन्दी व अंग्रेजी)

2.सी एल वेपर: पोलिटिकल थॉट

3.जे.पी. सूद : वेस्टर्न पोलिटिकल थॉट

4.फॉस्टर : मास्टर्स ऑफ पोलिटिकल थॉट

5.डनिंग: हिस्ट्री ऑफ पोलिटिकल थॉट

6. पी.डी शर्मा :राजनीतिक विचारक

7.पुखराज जैन : कतिपय प्रमुख राजनीतिक विचारक

8.डनिंग: ए हिस्ट्री ऑफ पोलिटिकल थ्योरीज

9.एफ. डब्लू. कोकर : रीसेन्ट पोलिटिकल थॉट

पश्चिमी राजनीतिक विचारकों पर पाठ्यक्रम के सीखने के परिणाम: •

प्रभारी अकादमिक

निशा गोयल

1 छात्र प्रभावशाली पश्चिमी राजनीतिक विचारकों के प्रमुख विचारों और योगदानों की पहचान करने और उनका वर्णन करने में सक्षम होंगे।

2छात्र पश्चिमी राजनीतिक विचार को आकार देने वाले ऐतिहासिक संदर्भ और बौद्धिक परंपराओं का विश्लेषण और व्याख्या करने में सक्षम होंगे।

3 छात्र संप्रभुताए लोकतंत्रए स्वतंत्रता और न्याय जैसी मूल अवधारणाओं पर विभिन्न पश्चिमी राजनीतिक विचारकों के विचारों की तुलना और विरोधाभास करने में सक्षम होंगे।

4 छात्र समकालीन राजनीतिक मुद्दों और बहसों पर पश्चिमी राजनीतिक विचार की प्रासंगिकता और प्रभाव का मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे।

5 छात्र प्राचीन से आधुनिक समय तक पश्चिमी राजनीतिक विचार के विकास की समझ प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे।

6 छात्र पश्चिमी राजनीतिक विचारकों के विचारों को वास्तविक दुनिया के राजनीतिक परिदृश्यों और चुनौतियों पर लागू करने में सक्षम होंगे।

प्रभारी अकादमिक प्रथम

निशा गोयल

VI-सेमेस्टर

विस्तृतपाठ्यक्रम

POL-10 T- 601 - द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अंतर्राष्ट्रीय संबंध

3 Hours duration **30+120 Marks**

इकाई–1

द्वितीय विश्वयुद्धोत्तर अंतराष्ट्रीय प्रवृत्तियाँ, शीतयुद्ध एवं इसके विभिन्न चरण, संयुक्त राष्ट्र संघः संगठन, कार्य प्रणाली एवं भूमिका, संयुक्त राज्य अमेरिका एवं तृतीय विश्व

(25 व्याख्यान)

इकाई–2

भारत की विदेश नीतिः निर्धारक तत्व, भारत एवं संयुक्त राष्ट्र गुट निरपेक्ष आंदोलन एवं वर्तमान में प्रासंगिकता

(20 व्याख्यान)

इकाई–3

भारत की पूर्व की ओर देखो नीति, भारत के पड़ोसी देश एवं प्रमुख शक्तियों (अमेरिका, रूस, चीन) के साथ संबंध, सम सामयिक बहुध्रुवीय विश्व में भारत।

(25 व्याख्यान)

इकाई–4

अन्तराष्ट्रीय राजनीति में सम–सामयिक प्रवृतियाँ व मुद्दे, क्षेत्रिय सहयोग संगठनः आसियान (दक्षिण–पूर्वी एशियाई राष्ट्र संगठन) एवं सार्क (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन), क्वाड़

(20 व्याख्यान)

प्रभारी अकादमिक प्रथम

निशा गोयल

1.ब्लेक एण्ड थॉमसन : फारेन पॉलिसी

2.जॉरडन कॉनेल स्मिथ :पेन्टर्स परसेप्शन ऑव दी डवलपिंग सिंस 1982।

3. 4.डॉ मथुरालाल शर्मा : अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध 1945 से अब तक।

5.महेन्द्र कुमार : अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सैद्धांतिक पक्ष (हिन्दी व अग्रेंजी)

6.पी.के. चड्ढा : अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध (आदर्श प्रकाशन, चौडा रास्ता जयपुर)

7.बाबूलाल फाडिया : अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

8.पुखराज जैन : अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

9.दीनानाथ वर्मा : अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

10.एस.एम. धर: इंटरनेशनल पॉलिटिक्स सिंस 1949

11.हरिदत्त वेदालंकार: इंटरनेशनल पॉलिटिक्स

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अंतर्राष्ट्रीय संबंध और भारतीय विदेश नीति पर पाठ्यक्रम के लिए कुछ संभावित सीखने के परिणाम

1. छात्र द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में प्रमुख घटनाओं और प्रवृत्तियों का वर्णन करने में सक्षम होंगे।

2. छात्र अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर शीत युद्ध के प्रभाव का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।

3. छात्र वैश्वीकरण की अवधारणा और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर इसके प्रभावों की व्याख्या करने में सक्षम होंगे

4. छात्र शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने में अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की भूमिका की पहचान करने में सक्षम होंगे।

5. छात्र स्वतंत्रता के बाद से भारतीय विदेश नीति के सिद्धांतों और उद्देश्यों का वर्णन करने में सक्षम होंगे।

6. छात्र भारत के औपनिवेशिक अतीत के विदेश नीति पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।

प्रभारी अकादमिक

निशा गोयल